



२५/८६

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—हृष्ट 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 135] नई दिल्ली, मंगलशार, जून 17, 1986/ज्येष्ठ 26, 1908
No. 135] NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 17, 1986/JYAISTHA 26, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
separate compilation

वित्त वंचालन

(प्रथिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 जून, 1986

अधिसूचना

कार्य संख्या 4(1)-उत्तरायण एन०/86-प्रम जनकारी के लिये यह प्रधिसूचित किए
जाते हैं कि भारत वरकार, वित्त विभाग द्वारा प्रारंभ 24 मई, 1946 की अधिसूचना संख्या डॉ./4767-
बो०/46 द्वारा वित्त भारत वरकार का 3 वर्षिता लक्षण निरण करण, 1946 इस अधिसूचना के
राजनीति में प्रहसित होने को ततोत्त्व से तान महोने का अवधि के समाप्त होने पर प्रथमा
16 जिनवरी, 1986 को या उसके बाद सन्मूल्य पर वायसी-अदायगी के लिये देय हो जायेगे।

और इन तारों के बाद इस क्रह पर अदायगी के लिये कोई ब्याज उद्भूत नहीं होगा यदि 16 मिनम्पर, 1936 को किसी केन्द्र पर हटाया हुआ, तो उन केन्द्रों पर उससे पहले के आवंटनाएँ पर 15 मिनम्पर तक, जिनमें वह तरफ़ भाग सिल है देय ब्याज सहित वापसी प्रदायगी का आयगी।

2. इन क्रह के बादक अती उत्तमी उत्तमीत्यां तथे क्रहों में रूपांतरण के लिये, यिनका बीरा अवल अधिनूचि किया जायगा, प्रस्तुत कर सकते हैं।

3. निमित्त नारंग को क्रह की वापसी-अदायगी करते के लिये, वे धारक जो परिवर्त होने वाले क्रह से नवाचेत अदायगी उत्तमीत्यां रूपांतरण नहीं कराना चाहते, अपनी उत्तमीत्यां 26 अगस्त, 1986 को अवश्य उसके बाद लोक क्रह कर्त्याओं, राजकोष उपराजकोषों अथवा भारतीय स्टेट्स के अवश्य इनके मालियों वैकां का शाखाओं में (जहां वे प्रतिभूतियां ब्याज के अदायगी के लिये तुकारामी/पंजाप्रित हों) प्रस्तुत कर सकते हैं।

4. उत्तमीत्यां-रूपां प्राप्त करते की प्रक्रिया का योग बीरा उपर्युक्त भुनतान कार्यालयों में से प्रत्येक कर्त्यालय में अपलब्ध है और वहां से प्राप्त किया जा सकता है।

राष्ट्रपति के भावेश से,
बी० बालमुखमण्डल, अष्टद बजाड अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th June, 1986

No. F. 4(3)-W&M/86.—It is notified for general information that the Government of India 3 per cent. Conversion Loan, 1946 announced by Government of India, Finance Department vide their Notification No. D/4767-B/46 dated 24th May, 1946 will fall due for repayment at par on the expiry of three months from the date of publication of this Notification in the Government Gazette i.e. on and after the day of 16th September 1986 and that after this date no interest shall accrue for payment on this loan. In case 16th September 1986 happens to be a holiday at any centre, the repayment will be made at those centres on the previous working day with interest due upto and inclusive of 15th September 1986.

2. The holders of the loan may tender their securities for conversion into new loans, the details of which will be notified separately.

3. To facilitate repayment of the loan on the due date holders, who do not desire to convert their securities pertaining to the maturing loan, may tender them at the Public Debt Offices, Treasuries/Sub-Treasuries or branches of State Bank of India or its Associate Banks (at which they are enframed registered for payment of interest) on or after 26th August, 1986.

4. Full details of the procedure for receiving the discharge value are available and may be obtained from any of the above said paying offices.

By order of the President,

V. BALASUBRAMANIAN, Addl. Budget Officer.